मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 40, मुंबई, सोमवार, 7 मार्च, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

नशे का कारोबार

पाकिस्तान के रास्ते भारत में हो रही तस्करी

सिर्फ गुजरात में तीन साल में 2,170 करोड़ के पदार्थ जब्त

संवाददाता / अहमदाबाद। भारत में पाकिस्तान के रास्ते बड़ी मात्रा में नशीली दवाओं की तस्करी हो रही है। गुजरात एटीएस ने रविवार को बताया कि, पिछले तीन सालों में करीब 2,170 करोड़ की नशीली दवाओं को जब्त किया गया है। वहीं तस्करी के प्रयास में 73 पाकिस्तानी नागरिकों को भी गिरफ्तार किया गया है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

एटीएस ने दावा किया कि, पाकिस्तानी तस्करों ने कई बार ड्रग्स की तस्करी के लिए गुजरात तट का इस्तेमाल करने की कोशिश की...

सिर्फ 2021 में ही 1,466.18 करोड़ रुपये के नशीले पदार्थ जब्त किए गए, जबकि पिछले दो वर्षों में 704.04 करोड़ रुपये की दवाएं जब्त की गई थीं। एटीएस ने 427.3 किलोग्राम हेरोइन, 6.65 किलोग्राम एमडी और 3.54 किलोग्राम ब्राउन शुगर जब्त की है

मुंबई पुलिस कमिश्नर ने आते ही दिया गिफ्ट!

अब से गाड़ी उठा कर नहीं ले जाएगी पुलिस

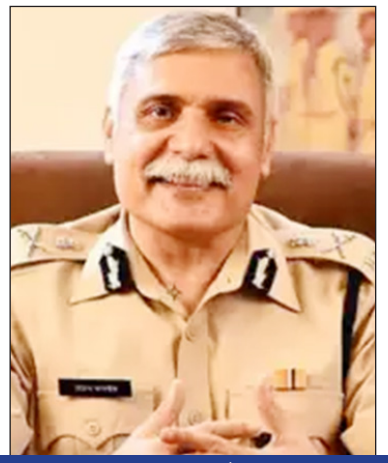

मुंबई। महाराष्ट्र की आर्थिक राजधानी मुंबई के नए पुलिस कमिश्नर संजय पांडे ने पदभार संभालते ही मुंबईकरों को अनोखा गिफ्ट दिया है। सड़कों से अब पुलिस किसी की गाड़ी उठा कर नहीं ले जाएगी। मुंबई में पार्किंग की समस्या बहुत बड़ी है। मुंबई में फिलहाल मेट्रो का काम भी शुरू है। ऐसे में सड़कों पर जगह-जगह ट्रैफिक जाम की समस्या भी आम है। ऐसे में ट्रैफिक और भीड़भाड़ की समस्या को देखते हुए कई बार मुंबईकर अपनी गाड़ियां नो पार्किंग में खड़ी कर देते हैं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

'प्रयोग के तौर पर शुरू किया, कायम रहेगा अगर जनता का सहयोग मिला'

नवाब को पवार का साथ

राकांपा मुखिया ने कहा– मलिक की गिरफ्तारी राजीनीति से प्रेरित

उन्हें बनाया जा रहा निशाना

मुंबई। राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता शरद पवार ने नवाब मलिक की गिरफ्तारी को लेकर विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और वरिष्ठ राकांपा नेता की गिरफ्तारी राजनीति से प्रेरित है। उन्होंने आरोप लगाया कि मलिक का नाम भगोड़े अंडरवर्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के साथ इसलिए जोड़ा जा रहा है, क्योंकि वह मुस्लिम हैं। उन्होंने मलिक के इस्तीफे की विपक्ष की मांग को भी सिरे से नकार दिया। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

सोनाक्षी सिन्हा के खिलाफ धोखाधड़ी के मामले में वारंट जारी

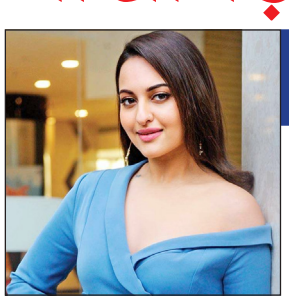

25 अप्रैल को कोर्ट में पेश होने के आदेश

मुंबई। एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा कानूनी संकट में फंसते नजर आ रही हैं। सोनाक्षी के खिलाफ 4 साल पुराने धोखाधड़ी के मामले में अब उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद की ACJM कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी किया है। साथ ही उन्हें 25 अप्रैल को कोर्ट में हाजिर होने के आदेश भी दिए हैं। सोनाक्षी पर आरोप है कि उन्होंने दिल्ली में एक इवेंट में शामिल होने के लिए 37 लाख रुपए लिए थे। लेकिन, पैसा लेने के बाद भी सोनाक्षी इस इवेंट में शामिल नहीं हुईं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

धमाके से सबक

भागलपुर में हुआ हादसा न केवल दुखद, बल्कि शर्मनाक भी है। हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों की जितनी निंदा की जाए, कम होगी। भागलपुर के तातारपुर थाना क्षेत्र के काजवलीचक मोहल्ले में गुरुवार रात करीब पौने 12 बजे एक घर में जोरदार धमाका हुआ, जिससे कुल तीन घर जमींदोज हो गए। दस से ज्यादा लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक महिला और एक बच्चा भी शामिल है। बताया जाता है कि एक घर में पटाखे बनाने का काम चल रहा था और एक परिवार की आपराधिक गलती की वजह से अनेक परिवारों पर आपदा टूट पड़ी। पटाखे बनाने का काम कितना खतरनाक है, शायद इसका एहसास निर्माण में जुटे लोगों को नहीं था और इसी वजह से तबाही का मंजर सामने आया है। पुलिस को हादसे की तह में जाकर देखना चाहिए कि आखिर किस तरह के पटाखे का निर्माण हो रहा था? किस तरह के रसायन का उपयोग हो रहा था? ऐसे विस्फोटक आखिर एक बस्ती में पहुंचे कैसे? जिला प्रशासन ने इस मामले में एक इंस्पेक्टर को सस्पेंड कर दिया है, लेकिन क्या इस हादसे के लिए केवल एक ही व्यक्ति को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है? क्या हम मानव जीवन का मोल नहीं समझ पा रहे हैं? क्या हम हादसे की गंभीरता नहीं समझ पा रहे हैं? बिना मंजूरी अगर निर्माण हो रहा था, फिर तो स्थानीय स्तर पर तत्काल कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। केवल पटाखे बनाने वालों को ही नहीं, बल्कि इसका अवैध कारोबार करने वालों को भी दबोचना चाहिए। प्रदेश में कानून-व्यवस्था का जब राज है, तब ऐसे अवैध निर्माण व खरीद-बिक्री की जरूरत क्यों है? यहां जिस तरह के पटाखे बनाए जा रहे थे, क्या उनके ग्राहक बिहार के बाहर के हैं? विस्तार में देखना चाहिए कि भागलपुर आधी रात को क्यों थर्रा उठा? अनेक घायलों का इलाज चल रहा है, इनसे भी पूछताछ होनी चाहिए। ऐसा हो नहीं सकता कि यहां विस्फोटक सामग्री के बारे में किसी को न पता हो। क्या अपने देश में लोग ऐसे खतरों के प्रति सजग नहीं हैं? क्या हमने अपने आसपास की आपराधिक गतिविधियों की ओर से आंखें मूंदना सीख लिया है? फोरेंसिक टीम और खुफिया पुलिस पर जिम्मेदारी है कि हादसे की पूरी सच्चाई सामने आए। सूचना यह भी सामने आई है कि पीड़ित परिवारों में से एक पटाखा बनाने का काम करता था और इनके घर पहले भी विस्फोट की घटना हो चुकी है। इस सूचना के साथ ही यह मामला और भी गंभीर हो जाता है। काजवलीचक आखिर 14 साल बाद दोबारा भीषण विस्फोट का गवाह कैसे बना है? उस विस्फोट में भी तीन लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हुए थे। उस विस्फोट से भी भागलपुर दहल गया था, लेकिन शायद प्रशासन की तंद्रा नहीं टूटी, इसलिए फिर यह हादसा हो गया। यथोचित कार्रवाई नहीं हुई होगी, इसलिए अपराधियों और अवैध धंधा करने वालों को फिर कहर ढाने का मौका मिल गया। पुलिस किसी भी राज्य की हो, ऐसे खतरनाक अपराधों या कृत्यों के प्रति उसका संवेदनशील होना बहुत जरूरी है। मामला पटाखे या बंदूक निर्माण का हो या अवैध शराब निर्माण का, फौरी कार्रवाई करके अपराधियों को छोड़ने की कुप्रवृत्ति का अंत होना चाहिए। आज समाज में किसी भी तरह के अपराध को अगर हम छिपाएंगे, तो स्वयं अपने भविष्य के लिए ही बड़े खतरे पैदा करेंगे।

अमीर-गरीब की बढ़ती खाई

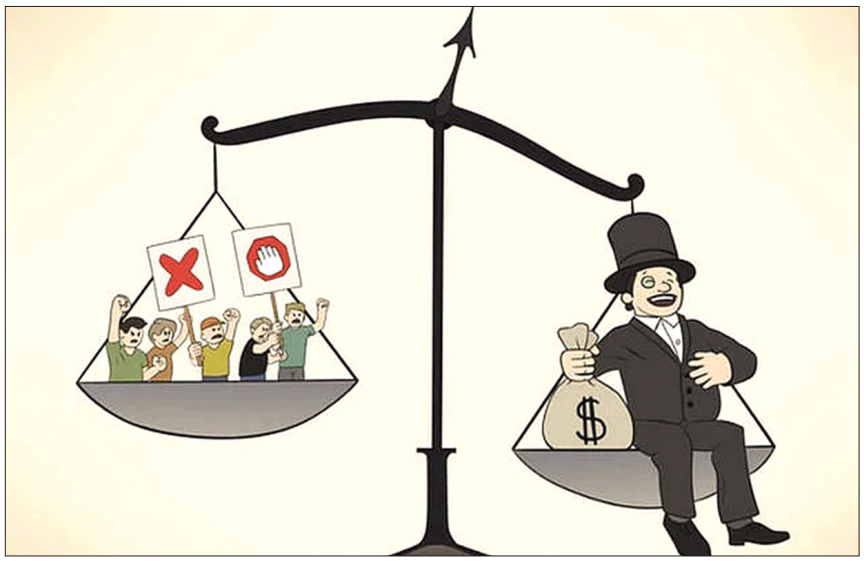

भारत में 2021 में तीन करोड़ अमेरिकी डालर यानि करीब 226 करोड़ रुपए या इससे अधिक सम्पत्ति वाले अत्यधिक धनी लोगों की संख्या में 11 फीसदी की बढ़ौतरी हुई है। भारत के लोगों का अरबपति या खरबपति होना खुशी की बात है। रियल एस्टेट के बारे में परामर्श देने वाली नाइट फ्रेंक ने अपनी रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत विश्व स्तर पर अरबपतियों की आबादी में तीसरे स्थान पर है। अमेरिका 748 अरबपतियों के साथ पहले स्थान पर है, जिसके बाद 554 अरबपतियों के साथ चीन का स्थान है। भारत 145 अरबपतियों के साथ तीसरे स्थान पर है। भारत में अधिक नेटवर्थ वाले अमीरों की संख्या 2020 में 12,287 थी जो कि 2021 में बढ़कर 13,637 हो गई। अत्यधिक धनी लोगों की संख्या में सर्वाधिक वृद्धि बेंगलुरु में देखी गई। वहां इनकी संख्या 17.1 फीसदी बढ़कर 352 हो गई। उसके बाद दिल्ली का नम्बर रहा, जहां 12.4 फीसदी बढ़कर 210 हुई, जबकि मुम्बई में 9 फीसदी बढ़कर 1596 हुई।

रिपोर्ट का दूसरा पहलू यह है कि कोरोना काल में मध्यम और निम्न वर्ग के अधिकतर लोगों की आमदनी घटी है। गरीब आदमी और गरीब हो गया। कोरोना महामारी के दौरान 4 करोड़ 60 लाख लोग गरीबी के दायरे में आए और करीब 84 फीसदी भारतीय परिवारों की आय कम हो गई। देश के सबसे अमीर दस फीसदी लोगों के पास देश की 45 फीसदी सम्पत्ति है। अगर गरीबों की बात की जाए तो देश की 50 फीसदी गरीब आबादी के पास सिर्फ 6 फीसदी सम्पत्ति है। अमीर और गरीब में खाई तो हमेशा से रही है लेकिन अगर वर्तमान अंतर को देखा जाए तो हैरानी होती है कि क्या कोरोना से संबंधित वित्तीय परेशानियों ने केवल आम आदमी को ही प्रभावित किया है। महामारी ने देश के अति समृद्ध लोगों को प्रभावित नहीं किया। 1990 के दशक में पैदा हुए 13 स्वःनिर्मित अरबपतियों की सूची में जिस तरह से फार्मा, टैक्नोलोजी और वित्तीय सेवा जैसे क्षेत्रों के लोग भी शामिल हो रहे हैं। भारत में द्विविभाजन उन लोगों में भी है जो गरीबी रेखा के नीचे की सूची में शामिल हो चुके हैं। करीब 21.8 करोड़ लोग जिनमें अनुमानतः पांच करोड़ लोग शहरी क्षेत्र के हैं, गरीबी रेखा के नीचे धकेल दिए गए हैं। जिन लोगों की सम्पत्ति बढ़ी, उसके पीछे कई कारण हैं। सर्वे बताता है कि इक्विटी बाजार और डिजिटलाइजेशन इनकी आमदनी बढ़ाने में सहायक रहा है। यही वजह है कि भारत में अल्ट्रा हाई नेटवर्क इंडिविजुअल की तेजी से वृद्धि हुई है। तीन करोड़ डालर यानी 226 करोड़ रुपए या इससे अधिक की सम्पत्ति वाले लोग अल्ट्रा हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल की श्रेणी में आते हैं। रिपोर्ट बताती है कि लगभग 20 फीसदी भारतीय अल्ट्रा नेटवर्थ इंडिविजुअल ने क्रिप्टो और नॉन फंजिबल टोकन या एनएफटी में निवेश किया है। इनमें से क्रिप्टो में पैसे लगाने वाले 11 फीसदी और एनएफटी में पैसे लगाने वाले 8 फीसदी हैं। वर्तमान में धन सृजन के तरीकों में भी बदलाव आया है। अब कमाई और बचत में संघर्ष नहीं रह गया। अमीरों की सूची में कई लोग ऐसे भी हैं जो बड़े निवेशक हैं। तथ्य यह भी है कि कोरोना की पृष्ठभूमि में 2020 के निचले स्तर के बाद बाजारों ने एक शानदार पलटा खाया था, जिसमें अनेक लोगों को काफी फायदा पहुंचा। इसमें कोई संदेह नहीं कि अमीर लोग ही निवेश करके लोगों को रोजगार प्रदान करते हैं। करों का भुगतान करते हैं, सामाजिक दायित्व निभाते हुए समाज की मदद भी करते हैं। छोटे निवेशक जो हाल ही में उभरे हैं और कई स्टार्ट-अप संस्थापक छोटी मोटी नौकरियां पेश कर रहे हैं जो एक सकारात्मक परिणाम है। दुनिया के अति समृद्ध लोगों ने स्वयं कोरोना काल में काफी जिम्मेदारियों का निर्वाह किया है। उन्होंने अपने संसाधनों को भविष्य में कोविड जैसी स्वास्थ्य समस्या से निपटने के लिए खर्च करने का ऐलान किया है। 18 जनवरी को वर्ल्ड इकोनामिक फोरम के पहले दिन आक्सफैम इंडिया की तरफ से वार्षिक असमानता सर्वे रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी। इस रिपोर्ट में अमीर-गरीब के अंतर को इस तरह समझाया गया था।

अगर भारत के टॉप दस फीसदी अमीर लोगों पर एक प्रतिशत अतिरिक्त टैक्स लगाया जाए तो उस पैसे से देश को करीब 18 लाख अतिरिक्त आक्सीजन सिलैंडर मिल सकते हैं। इसके अलावा 98 अमीर परिवारों पर एक प्रतिशत कर लगाया जाए तो उस पैसे से आयुष्मान भारत कार्यक्रम को अगले 7 वर्षों तक चलाया जा सकता है। अगर टॉप-10 परिवार रोजाना एक मिलियन डालर यानी 7 करोड़ 40 लाख भी खर्च करें तो भी उनकी दौलत खर्च होने में 84 साल लग जाएंगे। अमीर-गरीब की खाई को पाटना सरकार के लिए बड़ी चुनौती है। स्थिति को सम्भालने के लिए बड़े पैमाने पर सरकार के दखल की जरूरत है। असमानता की वजह से असंतोष बढ़ता है। सरकार को ऐसी नीतियां और कार्यक्रम अपनाने होंगे जिसमें गरीबों को ज्यादा फायदा मिले। भारत में समृद्ध लोग अगर एक फीसदी भी खर्च करेंगे तो लोगों का कल्याण हो सकता है। अन्यथा अमीर-गरीब की खाई पाटने में बरसों लग जाएंगे।

पतन के कगार पर यूक्रेन

यूक्रेन की राजधानी कीव के गिरने में अब ज्यादा देर नहीं लगेगी। बस, एक-दो दिन की बात है। कीव पर कब्जा होते ही यूक्रेन के राष्ट्रपति झेलेंस्की भी अर्न्तध्यान हो जाएंगे। नाटो और अमेरिका अपना जबानी जमा-खर्च करते रह जाएंगे। नाटो के महासचिव ने तो साफ-साफ कह दिया है कि वे रूस के साथ युद्ध नहीं लड़ना चाहते हैं। फ्रांस और जर्मनी की भी बोलती बंद है। झेलेंस्की ने नाटो की नपुंसकता पर पहली बार मुंह खोला है। यह उनकी अपरिपक्वता ही है कि उन्होंने नाटो पर अंधविश्वास किया और उसके उकसावे में आकर रूसी हमला अपने पर करवा लिया। अमेरिका ने रूस पर चार-पांच नए प्रतिबंध भी घोषित कर दिए हैं। अमेरिका और यूरोपीय देशों में चल रहे रूसी सेठों के करोड़ों डॉलरों के खातों को जब्त कर लिया गया है। जो बाइडन से कोई पूछे कि क्या इसके डर के मारे पूतिन अपना हमला रोक देंगे? क्या रूसी फौजें कीव के दरवाजे से वापस लौट जाएंगी? यूरोपीय संघ की सदस्यता के लिए भेजी गई झेलेंस्की की औपचारिक अर्जी को आए हुए तीन-चार दिन हो गए। अभी तक उस पर यूरोपीय संघ खरार्टे क्यों खींचे हुआ है? यूरोपीय राष्ट्रों ने यूक्रेन के परमाणु संयंत्र पर रूसी हमले की खबर को बढ़ा-चढ़ाकर इतना फैलाया कि सारी दुनिया में सनसनी फैल गई लेकिन अभी तक कोई परमाणु प्रदूषण नहीं फैला। 1986 में चेर्नोबिल की तरह मौत की कोई लहर नहीं उठी। मास्को ने स्पष्ट किया कि नाटो ने यह झूठी खबर इसलिए फैला दी थी कि रूस को फिजूल बदनाम किया जाए। रूस ने झापोरीझजिया के परमाणु संयंत्र पर कब्जा जरुर कर लिया है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

रेलवे लाइन से सटा परिसर साहूजी नगर निवासियों को रेल प्रशासन की तरफ से दोबारा दी गई नोटिस

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। अभी हाल ही में रेलवे प्रशासन द्वारा रेलवे लाइन से सटा परिसर साहूजी नगर निवासियों को मकान खाली करो नोटिस दी गई थी फिर उसके बाद कलवा मुंब्रा के विधायक तथा राज्य के गृह निर्माण मंत्री जितेंद्र अवार्ड द्वारा हस्तक्षेप कर यह मामले को टाला गया था यह कहकर की जब तक रेल प्रशासन साहूजी नगर के निवासियों को पुनर्वासित नहीं करती इन लोगों द्वारा मकान खाली नहीं किए जाएंगे क्योंकि यह लोग यहां पर 70 वर्षों से रह रहे हैं जब तक रेल प्रशासन द्वारा इन लोगों को मकान के बदले मकान नहीं दिए जाएंगे जब तक साहूजी नगर परिसर के निवासी यह मकान खाली नहीं करेंगे उसके बाद शिवसेना के कल्याण लोकसभा सांसद श्रीकांत शिंदे द्वारा भी यही कहां गया था जब तक रेल प्रशासन साहूजी नगर परिसर के रहने वाले लोगों को पुनर्वासित नहीं करती जब तक मकान खाली नहीं किए जाएंगे लेकिन यह बात समझ से परे है राज्य के गृह निर्माण मंत्री जितेंद्र अवार्ड द्वारा और शिवसेना के कल्याण लोकसभा सांसद श्रीकांत शिंदे द्वारा हस्तक्षेप करने के बावजूद भी रेलवे प्रशासन ने दोबारा नोटिस साहूजी नगर परिसर के लोगों क्यों दी जा रही है और उस नोटिस में यह उल्लेख किया हुआ है 11 मार्च शुक्रवार को साहूजी नगर परिसर के लोगो को अपने मकानों के पूरे कागजात लेकर डीआरएम ऑफिस मैं बुलाया गया है यह बात समझ से परे है बाजारों में चर्चा का विषय यह गरमाया हुआ है आगामी मनपा चुनाव को देखते हुए यह राजनीतिक हथकंडा इस्तेमाल किया जा रहा है साहूजी नगर परिसर के लोगों को अगर मकान खाली करने से राहत मिल जाती है या फिर मकान खाली करने के बदले में कहीं और मकान मिल जाता है यह काम का श्रेय पूरी सत्ताधारी पार्टी ले लेगी और आगामी मनपा चुनाव में इसका प्रचार धमाकेदार करेगी और वोट बैंक पूरी तरह तैयार कर लेगी अब देखना यह है क्या शिवसेना भी साहूजी नगर के निवासियों से मिलने जाती है या नहीं इस पर कल्याण लोकसभा सांसद श्रीकांत शिंदे क्या बयान जारी करते हैं यह देखने वाली बात होगी फिलहाल इस मामले में कलवा मुंब्रा विधानसभा अध्यक्ष वह परिवहन समिति सदस्य शमीम खान ने साहूजी नगर निवासियों को कहा है अपने मकानों के तमाम कागजात तैयार कर ले और 11 मार्च से पहले हम एक बस लेकर डीआरएम ऑफिस जाएंगे और वहां पर हमारे मंत्री महोदय जितेंद् अवार्ड मौजूद होंगे और वही जनता को इंसाफ दिलाएंगे गौरतलब बात यह है इसमें शिवसेना अपना कौन सा राजनीतिक हथकंडा इस्तेमाल करती है यह देखने वाली बात होगी।

सोशल मीडिया पर वायरल हुए तीन महिलाओं के बच्चा चोरी के ऑडियो क्लिप के आधार पर खड़ी मशीन रोड डायमंड अपार्टमेंट इमारत में मचा बवाल

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। गत 5 मार्च शनिवार दोपहर 12:00 बजे के समय में खड़ी मशीन रोड स्थित डायमंड अपार्टमेंट नामी इमारत में तीन महिलाएं को चोरी करने और बच्चा चुराने के आधार पर इमारत के लोगों ने पुलिस के हवाले कर दिया दरअसल मामला कुछ इस तरह बताया जा रहा हैं डायमंड अपार्टमेंट नामी इमारत की दसवीं मंजिला निवासी द्वारा यह बताया जा रहा है यह तीनों महिला द्वारा इनके घर मांगने के लिए दरवाजा खटखटाया था जब मैंने दरवाजा खोला तो मैंने देखा यह तीन महिलाएं मांगने के लिए आई हैं फिर मुझे याद आया यह तीनों महिलाएं का सोशल मीडिया पर बच्चा चुराने का ऑडियो क्लिप और तस्वीर मैंने देखा थी फिर मैंने तुरंत सोसाइटी के लोगों को इस बात की जानकारी दी फिर तमाम सोसाइटी के लोग इकट्ठा हो गए और तीनों महिलाओं को पकड़ लिया गया वहीं दूसरी ओर तीनों महिलाएं द्वारा यह बताया जा रहा है कि हम लोग साकीनाका जरीमरी मुंबई से आए हैं हमारे पिताजी को डायबिटीज है और आंखों में मोतियाबिंद का इलाज कराना है उसी कारण हम लोग से मदद मांगने के लिए यह इमारत में आए था सोशल मीडिया पर वायरल ऑडियो क्लिप और तस्वीर के बारे में पूछने पर यह तीनों महिलाएं ने बताया हम लोग मदद मांगने के लिए मीरा रोड पर गए थे हम लोग एक इमारत के नीचे बैठे थे कि कुछ गंजेड़ी लोगों से मेरी बहन की तू तू मैं मैं हो गई फिर उन लोगों ने कहा तुम लोग चोरी चकारी करते हो बच्चा चुराते हो हम लोगों ने कहा नहीं हम ऐसा काम नहीं करते फिर उन लोगों ने कहा तुम तीनों का फोटो दे दो फिर हम लोगों ने फोटो निकालने के लिए दे दिया फिर उन लोगों ने फोटो में क्या लिख दिया हम लोगों को पता नही फिलहाल इन तीनों महिला द्वारा दिए गए बयान में कितनी सच्चाई है कितना झूठ है यह मुंब्रा पुलिस द्वारा जांच पड़ताल के बाद ही पता चलेगा यह तीनों महिलाएं निर्दोष है यह वाकई में यह घरों में चोरी करने के और बच्चे चुराने के इरादे से इस डायमंड नामी इमारत के अंदर घुसी थी यह जांच पड़ताल के बाद ही पता चलेगा।

मनपा प्रशासन की समाज कल्याण विभाग द्वारा दी गई स्कीम की जानकारी लोगो को देने के लिए खिदमते खलक ट्रस्ट और यसवीकैन फाउंडेशन की तरफ से आयोजित किया गया सेमिनार

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। गत 6 मार्च रविवार दोपहर 1:00 बजे खिदमते खलक ट्रस्ट और यसवीकैन फाउंडेशन की तरफ से मनपा प्रशासन की समाज कल्याण विभाग द्वारा लोगो के लिए जारी की गई तमाम स्कीम की जानकारी देने के लिए सेमिनार का कार्यक्रम सानिया हॉल में आयोजित किया गया इस कार्यक्रम में खिदमते खलक के नासिर भाई और यसवीकैन फाउंडेशन के प्रोफेसर हसन मुलानी द्वारा बताया गया हर साल की तरह मनपा प्रशासन की समाज कल्याण विभाग की बहुत सारी स्कीम जनता के लिए दी जाती है यह स्कीम समाज कल्याण विभाग की तरफ से 20 से ज्यादा स्कीम इस साल भी दी गई है उस स्कीम के तहत दिव्यांग विधवा महिला और कोविड-19 मैं जिनके माता पिता का देहांत हुआ है उन बच्चों के लिए और कई स्कीम की पूरी जानकारी देने के लिए यह सेमिनार को आयोजित किया गया है और इस सेमिनार को तकरीबन डेढ़ सौ से दो सौ लोगों ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया है और इस कार्यक्रम में आई हुई ज्यादातर महिलाएं और अपंग लोग थे हमारी संस्था स्कीम की जानकारी लोगों को देना चाहते है किस तरह से लोगों को इस स्कीम का फायदा पहुंचेगा और कौन-कौन से कागजात इसमें लगने वाले हैं यह सबी जानकारी देने के लिए यसवीकैन फाउंडेशन और खिदमते खलक ट्रस्ट ने एक हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया है वह नंबर है 9820802086 उन्होंने बताया फॉर्म खरीदने के बाद किसी भी जरूरतमंद आदमी को जो इस स्कीम में आता है वह मुंब्रा प्रभाग समिति से फॉर्म लेकर फॉर्म भरने तक किसी भी तरह की मदद की जरूरत पड़ती है तो दिए गए नंबर पर हमसे संपर्क कर सकता है यह नंबर हमारे कार्यालय का है हमारे द्वारा से वह व्यक्ति की पूरी सहायता की जाएगी।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

नशे का कारोबार

एटीएस ने दावा किया कि, पाकिस्तानी तस्करों ने कई बार ड्रग्स की तस्करी के लिए गुजरात तट का इस्तेमाल करने की कोशिश की, लेकिन ऐसी सभी कोशिशों को नाकाम कर दिया गया। गुजरात एटीएस की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि, सिर्फ 2021 में ही 1,466.18 करोड़ रुपये के नशीले पदार्थ जब्त किए गए, जबकि पिछले दो वर्षों में 704.04 करोड़ रुपये की दवाएं जब्त की गईं थीं। इस आंकड़े में पिछले साल सितंबर में कच्छ जिले के मुंद्रा बंदरगाह से 21,000 करोड़ रुपये की नशीली दवाओं की जब्ती शामिल नहीं है। उस मामले की जांच अब राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) कर रही है। जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि, 2019- 2021 के बीच, राज्य एटीएस ने 427.3 किलोग्राम हेरोइन, 6.65 किलोग्राम एमडी और 3.54 किलोग्राम ब्राउन शुगर जब्त की है।

मुंबई पुलिस कमिश्नर ने आते ही दिया गिफ्ट!

ऐसे में उन पर कार्रवाई करते हुए ट्रैफिक पुलिस उन गाड़ियों को टो कर के उठा ले जाते हैं। इससे वाहनधारकों को अपनी गाड़ी छुड़ाने के लिए काफी परेशान होना पड़ता है। अब गाड़ियां उठाने की कार्रवाई रोक दी गई है। यह फैसला मुंबई के नए पुलिस कमिश्नर संजय पांडे ने लिया है। लेकिन फिलहाल यह प्रायोगिक तौर पर शुरू किया गया है। संजय पांडे के मुंबई पुलिस कमिश्नर पद पर नियुक्त होते ही कई मुंबईकरों ने उनका पूरे उत्साह से स्वागत किया है। मुंबईकरों के उत्साह से भावुक होने की बात कहते हुए पुलिस आयुक्त ने यह फैसला लिया है। उन्होंने अपना यह फैसला ट्वीट कर जाहिर किया है। उन्होंने अपने ट्वीट में कहा है, प्रिय मुंबईकरों, आपके उत्साह से किए गए स्वागत मैं भावुक हो गया हूं। सबसे पहले मैं गाड़ियों को उठाने की कार्रवाई रोकता हूं। अगर आप सबने मिल कर नियमों का पालन किया तो प्रायोगिक तौर पर शुरू किया गया यह प्रयोग नियमित किया जा सकेगा। अपने ट्वीट में मुंबई पुलिस कमिश्नर ने यह साफ किया है कि यह एक प्रयोग के तौर पर उन्होंने कदम उठाया है। अगर लोगों ने जिम्मेदारी समझी और खुद ट्रैफिक और पार्किंग संबंधी नियमों का ध्यान रखेंगे तो यह शुरूआत आगे भी कायम रखी जाएगी। इस नए आदेश से अब ट्रैफिक पुलिस वाले किसी की गाड़ी उठा कर नहीं ले जाएंगे। लेकिन मुंबईकरों से उम्मीद है कि वे ट्रैफिक नियमों का पालन करें। अगर उम्मीदों के मुताबिक मुंबईकरों ने रेस्पॉन्स नहीं दिया और ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन होता रहा तो कुछ दिनों बाद यह छूट वापस ली जा सकती है।

नवाब को पवार का साथ

दरअसल, मलिक को ईडी ने 23 फरवरी को दाऊद और उसके साथियों के संपर्क में होने के आरोप में गिरफ्तार किया था। राकांपा प्रमुख ने कहा कि मलिक और उनके परिवार के सदस्यों को जानबूझ कर परेशान किया जा रहा है, लेकिन हम इसके खिलाफ लड़ेंगे। भाजपा द्वारा मलिक का इस्तीफा मांगे जाने के प्रश्न पर पवार ने कहा कि मलिक और केंद्रीय मंत्री नारायण राणे पर अलग-अलग मानदंड अपनाए जा रहे हैं। पवार ने कहा कि मुझे याद नहीं आता कि कांग्रेस के पूर्व पार्टी कार्यकर्ता नारायण राणे को हाल में गिरफ्तारी के बाद इस्तीफा देना पड़ा हो। प्रधानमंत्री कल पुणे आ रहे हैं। वह इस पर ज्यादा जानकारी दे सकते हैं। राणे के लिए अलग मानदंड और मलिक के लिए अलग मानदंड दिखाता है कि यह राजनीति से प्रेरित है। पवार ने महाराष्ट्र के राज्यपाल बीएस कोश्यारी पर भी निशाना साधा। राज्यपाल ने महाराष्ट्र मंत्रीमंडल द्वारा एक साल पहले उन्हें भेजे गए विधान परिषद के 12 सदस्यों के नामों को मंजूरी नहीं दी। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के पास पीसी एलेक्जेंडर जैसे राज्यपाल की विरासत है। मुझे इस पर बात नहीं करनी चाहिए कि वर्तमान राज्यपाल क्या कर रहे हैं। केंद्र सरकार हर वो काम कर रही है जो वह कर सकती है और महाराष्ट्र इसका ताजा उदाहरण है।

सोनाक्षी सिन्हा के खिलाफ धोखाधड़ी के मामले में वारंट जारी

इसके बाद उन्होंने इवेंट ऑर्गेनाइजर के पैसे भी वापस नहीं लौटाए थे। खबर के मुताबिक, मुरादाबाद के कटघर थाना क्षेत्र के रहने वाले इवेंट के ऑर्गेनाइजर प्रमोद शर्मा ने एक इवेंट का प्लान बनाया था। जिसमें सोनाक्षी को चीफ गेस्ट के रूप में इनवाइट किया गया था। हालांकि, 'दबंग' एक्ट्रेस इस इवेंट में शामिल होने में विफल रही थीं। जिसके बाद इवेंट के ऑर्गेनाइजर प्रमोद ने एक्ट्रेस से अपने पैसे वापस मांगे थे। आरोप लगाया जा रहा है कि सोनाक्षी के मैनेजर ने इवेंट ऑर्गेनाइजर के पैसे देने से इनकार कर दिया है।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस महासचिव श्रीमती रूबी खान को मिला सांझी विरासत कौमी एकता सम्मान

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। पिंक सिटी प्रेस क्लब, जयपुर में कैबिनेट मंत्री श्री गोविन्द राम मेघवाल ने राजस्थान प्रदेश कांग्रेस महासचिव श्रीमती रूबी खान को 'सांझी विरासत कौमी एकता सम्मान' से सम्मानित किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता जाट महासभा के अध्यक्ष राजाराम मील ने की। सम्मान प्राप्ति के बाद श्रीमती रूबी खान ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि वो इस सम्मान के लिए सांझी विरासत मंच की हृदय से कृतज्ञ हैं व वह भारत की एकता के खूबसूरत ताने बाने को एक रखने और महिला व युवा सशक्तिकारण को समाज के हर तबके की महिलाओं तक पहुंचाने का कार्य वो निरंतर रुप से करती रहेंगी तथा वो पार्टी की रीति नीति अनुसार निस्वार्थ भाव से पार्टी के लिए कार्य करेंगी! उक्त जानकारी राजस्थान प्रदेश कांग्रेस महासचिव श्रीमती रुबी खान ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

बुलढाणा नगर पालिका की स्वच्छता अभियान सिर्फ कागजों पर

नालियों की नहीं होती सफाई

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। शहर के इकबाल नगर परिसर में बुलढाणा नगर प्रशासन की लापरवाही के कारण गंदगी का साम्राज्य व्याप्त है। गंदगी के कारण नागरिकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। शहर में बीमारियां फैल रही है। नागरिकों के अनुसार नालियों की कई दिनों से सफाई नहीं की गई है। जिससे नालियों से गंदी की बदबू आ रही है। शहर में स्वच्छता अभियान केवल कागजों पर दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि लोगों को बीमारी से दूर रखने के लिए सफाई जरूरी है। लेकिन शहर के कई इलाकों

में नियमित रूप से। साफ-सफाई के अभाव में मच्छरों की काफी संख्या में इजाफा हो गया है। संबंधित विभाग की ओर शिकायत करने पर किसी प्रकार का ध्यान नहीं दिया जा रहा है। नागरिकों ने नगर पालिका से इस ओर ध्यान देने को कहा है। समस्या का समाधान नहीं होने पर नागरिक आंदोलन के मूड में हैं। शहर के इकबाल नगर में विगत 7 माह पहले बनी नाली की अब तक साफ सफाई नहीं की गई जिसके कारण वार्ड वासियों को काफी परेशानी उठाना पड़ रही है। वार्डवासियों का कहना है कि साफ सफाई नियमित तौर से नहीं होती। इससे नालियों में मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। ऐसे में गर्मी में मच्छरों व गंदगी से फैलने वाली बीमारियों की चपेट में आने की आशंका है।

आज फिर मुल्क को उसी मरहम की जरूरत है जो इंसानियत को पामाल होने से बचाये : सूफी खानकाह एसोसिएशन

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

देवा शरीफ। चरमपंथी संगठन पीएफआई को प्रतिबंधित कराने और राष्ट्रीय एकीकरण के अभियान के अंतर्गत सूफी खानकाह एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंडल ने अवध की सुप्रसिद्ध दरगाह सैयदना शाह वारिस अली शाह रहमतुल्लाह अलैह की बारगाह में हाजिरी देकर चादर शरीफ पेश की और मुल्क ओ मिल्लत की सलामती की दुआ की। इस अवसर पर उपस्थित मीडिया से बात करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष सूफी मोहम्मद कौसर हसन मजीदी एडवोकेट ने कहा कि जब मुल्क के हिन्दू और मुसलमानों को दो अलग अलग कौम हैं का नारा देकर विभाजित किया जा रहा था उस वक़्त सरकार वारिसे पाक रहमतुल्लाह अलैह सुना सुना मोहब्बत करो का वारसी मरहम लगाकर मजरूह इंसानियत का इलाज कर रहे थे आज फिर मुल्क को उसी मरहम की जरूरत है जो इंसानियत को पामाल होने से बचाये राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष पीर सय्यद खालिद नकवी अल हुसैनी ने कहा कि इस वक़्त पीएफआई जैसी ताकतें मुल्क में बेचैनी पैदा कर रही हैं हम सरकार वारिस पाक के वसीले से अल्लाह से दुआ करते हैं कि हम सबको ऐसी मुल्क मुखालिफ ताकतों से महफूज रखें।राष्ट्रीय प्रवक्ता शाह सय्यद अकबर अली वारसी ने कहा कि सूफी खानकाह एसोसिएशन मुल्क ओ इंसानियत की भलाई के लिए काम करने वाली तंजीम है सभी लोग जो हमारी आवाज सुन रहे हैं इस मिशन में शामिल हों और मुल्क की भलाई के लिए किए जा रहे कामों में अपना हिस्सा लें। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष हाजी आसिफ रहमानी, जिला अध्यक्ष बाराबंकी मजहर हुसैन जिला उपाध्यक्ष कानपुर नगर एजाज आलम चिश्ती जिला अध्यक्ष मीडिया सेल कानपुर नगर शाहरुख वारसी आदि उपस्थित रहे।

वार्ड नंबर तीन में वाटर फिल्टर प्याऊ से बूझेगी नागरिकों की प्यास

धामणगांव बढ़े ग्रामपंचायत की पहल

संवाददाता/अशफाक युसुफ

धामणगांव बढ़े। ग्रामपंचायत की ओर से वार्ड नंम्बर 3 में हाल ही मे वाटर फिल्टर प्याऊ का उद्घटान सरपंचपति अलीम कुरेशी,के हातो किया गया प्रस्ताविक भाषण डॉ, गणेश हुडेकर किया इस समय धामणगाव बढ़े ग्रा, प, उपसरपंच,श्याम निमखेड़े, ग्रा,प, सदस्य भागवत दराखे, खेड़ी,ग्राम के सरपंच नाना राजपूत, धनराज महाजन, ग्रा,प,सदस्य जमीर कुरैशी, ग्रा,प,सदस्य सय्यद बिस्मिल्लाह, मोहन सपकाल,के सात ग्रा,प, के कर्मचारियों के सात गांववासी बढ़ी संख्या में उपस्तिथ थे इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए गजानन घोंगड़े, के सात वार्ड के युवाओं ने अधिक मेहनत ली कार्यक्रम का सूत्र संचलन माहाराष्ट्रा के सुप्रसिध्द साहित्यिक सुभाष किन्होलकर सर ने जबकि आभार प्रदर्शन गजानन घोंगड़े ने माना।

धर्मान्तरण को रोकना ही पं. लेखराम का मुख्य लक्ष्य था: नरेन्द्र आहूजा विवेक

125 वें बलिदान दिवस पर पं. लेखराम को दी श्रद्धांजलि

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में अमर शहीद, रक्त साक्षी पं. लेखराम आर्य मुसाफिर के 125 वें बलिदान दिवस पर ऑनलाइन श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि एक धर्मान्ध मुसलमान द्वारा शुद्धि अभियान से रूष्ट होकर 6 मार्च 1897 को लाहौर में छुरा मारकर हत्या कर दी गई थी। यह कोरोना काल में 368 वां बेविनार था!मुख्य वक्ता नरेन्द्र आहुजा विवेक ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि सत्यनिष्ठ, धर्मवीर, आत्मबलिदानी पं लेखराम अडिग ईश्वर विश्वासी, महान मनीषी, स्पष्ट निर्भीक वक्ता, आदर्श धर्म प्रचारक, त्यागी तपस्वी गवेषक, अच्छे लेखक थे। धर्मान्तरण रोकने और धर्मान्तरित लोगों की घर वापसी व शुद्धि करण के लिए ही पण्डित लेखराम ने अपना जीवन आहूत कर दिया और उनकी हत्या कर दी गई। पं लेखराम ने महर्षि देव दयानन्द जी का जीवन चरित्र लिखने के लिए पूरे देश में घूम घूम कर प्रमाण एकत्रित किए। आज जब देश में दलित हिन्दू वर्ग का धर्मान्तरण ईसाई मिशनरियों द्वारा पूरे जोरों से किया जा रहा है तो हमारी पं लेखराम को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि आज देश में धर्मान्तरण को रोकने के लिए सबको पूर्ण प्रयास करना होगा। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने बताया कि हिन्दू धर्म की रक्षा के लिए अनेक लोगों ने बलिदान दिए, उनमें पं.लेखराम का नाम गर्व से लिया जाता है। उन्होंने हिन्दुओं को मुसलमान बनाने के कार्य को रोका व किसी कारण धर्म परिवर्तन कर चुके हिन्दुओं के लिए यज्ञ द्वारा शुद्ध करके घर वापसी का मार्ग प्रशस्त किया। उनका पूरा जीवन वेद प्रचार व शुद्धि आंदोलन के लिए समर्पित रहा। आज उनके बलिदान से प्रेरणा लेकर हिन्दु समाज को संगठित करने की आवश्यकता है तभी आने वाली बाधाओं से मुकाबला कर सकते हैं! मुख्य अतिथि आर्य नेत्री पुष्पा शास्त्री व अध्यक्ष हरिचंद स्नेही ने भी शुद्धि आंदोलन को राष्ट्र हित में प्रभावी बताया। उन्होंने ने कहा कि नई पीढ़ी को हिन्दू धर्म के योद्धाओं के इतिहास

को बतलाने की आवश्यकता है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि धर्मवीर पण्डित लेखराम ने अपनी नश्वर देह का त्याग करते हुए आर्यो को यह सन्देश दिया था, तकरीर व तहरीर से प्रचार का कार्य बन्द न हो। आज आर्यों को उनकी इस वसीयत को पूरा करना है,तभी भविष्य में वेदाज्ञा 'कृण्वन्तो विश्वमार्यम' चरितार्थ हो सकता है। गायक रविन्द्र गुप्ता, ईश आर्य, प्रवीना ठक्कर, विजय खुल्लर, जनक अरोड़ा, संध्या पांडेय, कुसुम भंडारी, आशा आर्या, रचना वर्मा, सुनीता अरोड़ा, ईश्वर देवी, पिंकी आर्या, कमला हंस आदि के मधुर गीत हुए! उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

नियमित योगाभ्यास से स्वस्थ रहने की गारंटी हैं: डॉ. वीरपाल विद्यालंकार

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। लॉयन्स क्लब गाजियाबाद ने अखिल भारतीय ध्यान योग संस्थान के सहयोग से ध्यानयोग कार्यशाला का आयोजन लायंस क्लब ऑडिटोरियम,कवि नगर में किया गया, सत्र का शुभारम्भ श्री सुभाष गर्ग ने ओ३म की ध्वनि व गायत्री मंत्र से किया! संस्थान के अध्यक्ष के.के.अरोड़ा ने कहा कि बिना आहार परिवर्तन किए योग करना बेकार है। हमें सम्यक आहार करना चाहिए। सम्यक आहार का तात्पर्य कार्बोहाईड्रेड,प्रोटीन व वसा का सही अनुपात है। डॉ. वीरपाल विद्यलाकर ने कहा कि नियमित योग का अभ्यास स्वस्थ रहने की गारंटी है। योग से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और योग हमें बीमारियों से बचाता है।

संस्थान के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक शास्त्री ने सिंह गर्जना और हास्य आसन का अभ्यास कराते हुए कहा कि सिंह गर्जना से थायरायड कंट्रोल में रहता है और खुलकर हंसने से चेहरे पर प्रसन्नता बनी रहती है। संस्थान की वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती प्रमिला ने कार्यशाला में शिविरार्थीओ को सूक्ष्म व्यायाम, वीरचन क्रिया का अभ्यास कराया और इसके लाभों की चर्चा की और कहा कि स्वयं के साथ जुड़ जाना ही आनंद की अनुभूति हैं! सराफा एसोसिएशन के संरक्षक राजकिशोर गुप्ता ने भी विचार व्यक्त किए।मनमोहन वोहरा ने ध्यान का अभ्यास कराया। मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने बताया कि शिविर में साधकों को विभिन्न योगासनों और ध्यान आदि का अभ्यास करवा कर योग के गूढ़ रहस्यों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर सर्वश्री सचिव लॉ संजीव गर्ग, कोषाध्यक्ष सीए लॉ नवेंदु गर्ग, पूर्व अध्यक्ष जीवेंद्र गुप्ता, दीपक कांत गुप्ता, अनामिका गोयल, रचना अग्रवाल, नवनीत गर्ग, सनी जैन, अमित जैन, गौरव सिंघल,संदीप जिंदल, प्रशांत गुप्ता, अरुण जिंदल, सिंह, प्रदीप त्यागी, राम भरोसे शर्मा, गुलशन भमरी एवं मंगल सिंह आदि मौजूद रहे। मंच का कुशल संचालन श्री प्रदीप त्यागी ने किया उन्होंने कहा कि योग हमारे मन मस्तिष्क को ठीक करता है,इससे हम तनाव मुक्त रहते हैं। संस्थान की महिला प्रकोष्ठ की वरिष्ठ योग शिक्षिका श्रीमती वीना वोहरा, मीता खन्ना एवं प्रभा सिंघल आदि ने वैदिक प्रार्थना व शांतिपाठ के साथ कार्यक्रम सम्पन्न कराया। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

पदमपुर एसएचओ मीणा की दबंगई व कर्तव्यपरायणता से 16 वर्ष से फरार स्थाई वारंटी गिरफ्तार

अपराधियों में खौफ और जनता के हितैषी जाने जाते हैं मीणा

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। श्रीगंगानगर जिले के पदमपुर थानाधिकारी रामकेश मीणा के कुशल नेतृत्व और सूझबूझ से 16 साल से फरार चल रहे स्थाई वारंटी पदमपुर निवासी स्थाई वारंटी प्रेम भूषण पुत्र मिलखराज सोनी को पदमपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया हैं। गौरतलब हैं कि आरोपी प्रेम भूषण किसी चेक बाउंस के मामले में 16 साल से पुलिस से आंख मिचौली करके फरार चल रहा था और दिल्ली जाकर रह रहा था और अभी हाल ही में

पदमपुर आकर धर्मशाला में ठहरा हुआ था, जिसकी कि मुखबिर की सूचना के आधार पर उक्त आरोपी को पदमपुर पुलिस ने गिरफ्तार करके न्यायालय में पेश किया जहाँ से न्यायालय ने आरोपी को जेल भेज दिया हैं! हम आपको बता दें कि पदमपुर थानाधिकारी रामकेश मीणा अपनी कर्तव्यनिष्ठा के लिए जाने जाते हैं। जिनके भय से इलाके में अपराधी भी खौफ खाते हैं! उक्त जानकारी श्रीगंगानगर की वरिष्ठ पत्रकार सुश्री पुष्पा भाटी ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

प्रशासन पहले अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करे: एड़वोकेट सुरेश गोस्वामी

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। जिला प्रशासन अपनी नाकामी छुपाने के लिए - संभागीय आयुक्त के निर्देशन मे शहर के व्यस्ततम कोटगेट मे एक तरफा यातायात की व्यवस्था करने जा रहा है - एडवोकेट सुरेश गोस्वामी ने बताया कि थाना प्रभारी कोटगेट की शह व मिलीभगत से सड़को मे दुकानदार व अन्य व्यक्ति अवैध रूप से व्यापार कर यातायात को बाधित कर रहे है प्रशासन इसकी अनदेखी कर केवल मात्र वैकल्पिक व्यवस्था कर अपनी नाकामी छिपा रही है -एडवोकेट ने बताया कि इस सम्बन्ध मे पुलिस

अधीक्षक बीकानेर को नवम्बर 21 को पत्र लिखकर अतिक्रमण हटाने की मांग की थी - इस मामले मे माननीय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) बीकानेर मे परिवाद प्रस्तुत किया हुआ है जो न्यायालय मे जैरकार है। एडवोकेट सुरेश गोस्वामी ने नीरज के पवन संभागीय आयुक्त से मांग की है कि अविलम्ब कोटगेट थाना क्षेत्र से अतिक्रमण हटा कर समस्या का स्थायी समाधान करे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

राजस्थान में सिर्फ मेडिकल स्टोरों से होती है 100 करोड़ रुपए की वार्षिक वसूली

50 हजार रिटेल और होलसेल मेडिकल स्टोरों का निरीक्षण का काम करते हैं 116 ड्रग इंस्पेक्टर

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

जयपुर। जयपुर की ड्रग इंस्पेक्टर सिंधु कुमारी को 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ने के लिए एएसपी बजरंग सिंह शेखावत को शाबाशी मिलनी चाहिए। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बजरंग सिंह शेखावत ने जयपुर की ड्रग इंस्पेक्टर सिंधु कुमारी को 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में फैले भ्रष्टाचार को उजागर कर दिया है। इसके लिए एएसपी शेखावत को शाबाशी मिलनी चाहिए। एसीबी की अब तक की जांच पड़ताल में सामने आया है कि मेडिकल स्टोर के निरीक्षण के नाम पर स्टोर मालिकों से ड्रग इंस्पेक्टर रिश्वत वसूलते हैं। सरकार के नियमों में ऐसी पेचीदगियां हैं, जिनके कारण स्टोर मालिकों को रिश्वत देनी ही पड़ती है। स्टोर पर दवाइयां देने वाले युवक भी फार्मासिस्ट होने चाहिए।लेकिन आमतौर पर देखा गया है कि अधिकांश मेडिकल स्टोर पर दवाइयां देने वाले युवक गैर फार्मासिस्ट होते हैं। यदि कोई युवक फार्मासिस्ट है तो वह स्वयं का मेडिकल स्टोर खेलेगा, लेकिन यदि किसी मजबूरी में अपना स्टोर नहीं खोल पाता है तो वह किसी स्टोर पर काम करने के कम से कम 30 हजार रुपए का मासिक वेतन लेगा। ऐसे में मेडिकल स्टोर का मालिक अधिकतम 8 हजार रुपए मासिक पर गैर फार्मासिस्ट को नौकरी पर रखते हैं। अनिवार्य रूप से डॉक्टर की पर्ची पर जो दवाइयां बेची जाती है, उनका ब्यौरा अलग से रखना होता है। सरकार के सख्त कायदे कानूनों के अंतर्गत कोई रिटेल या होलसेल का मेडिकल चलाना मुश्किल है। इसलिए स्टोर मालिक प्रतिवर्ष एक मोटी राशि ड्रग इंस्पेक्टर को देते हैं, ताकि कोई

परेशानी नहीं हो। 4 मार्च को जब जयपुर के एक मेडिकल स्टोर के मालिक से ड्रग इंस्पेक्टर सिंध कुमारी रिश्वत की दूसरी किस्त के तौर पर 5 हजार रुपए की रिश्वत ले रही थी, तभी एसीबी ने रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। सिंधु कुमारी का कहना रहा कि रिश्वत लेना उनकी मजबूरी है। रिश्वत की राशि विभाग में ऊपर तक पहुंचाई जाती है। यदि बड़े अफसरों को रिश्वत न दी जाए तो तबादला कर देते हैं। सिंधु कुमारी के इस बयान से राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में फैले भ्रष्टाचार की पोल खुल गई है। स्वाभाविक है कि बड़े अफसरों को सरकार में बैठे प्रभावशाली व्यक्तियों तक राशि पहुंचानी पड़ती है। राजस्थान में रिटेल मेडिकल स्टोरों की संख्या 25 हजार है। इसी प्रकार होलसेल स्टोर भी करीब 25 हजार ही है। होलसेल स्टोर के निरीक्षण की रिश्वत करीब 20 हजार रुपए बताई जाती है। यानी होलसेल स्टोर के मालिकों से 50 करोड़ रुपए की वसूली होती है। इसी प्रकार 25 हजार रिटेल मेडिकल स्टोरों से 10 हजार के हिसाब से 25 करोड़ रुपए वसूले जाते हैं। दोनों राशि करीब 75 करोड़ रुपए होती है। इसके अतिरिक्त होली, दीवाली एवं अन्य अवसरों पर अलग से गिफ्ट आदि लिया जाता है। यह राशि करीब 25 करोड़ रुपए की मानी जा रही है। यानी मेडिकल स्टोर के निरीक्षण के नाम पर प्रदेश के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में 100 करोड़ रुपए वसूले जा रहे हैं। प्रदेश में पात्र 116 ड्रग इंस्पेक्टर हैं। इससे इन ड्रग इंस्पेक्टरों की आय का अंदाजा लगाया जा सकता है। यह वसूली तो सिर्फ साधारण निरीक्षण की है। मेडिकल स्टोर संचालकों से अन्य तरीकों से भी राशि वसूली जाती है। इसमें बड़ा खेल नशीली दवाओं की बिक्री से जुड़ा है। नशीली दवाएं सस्ती खरीद कर बहुत ऊंची कीमत पर बेची जाती है। लाइसेंस के अनुरूप नशीली दवा बेचने वाले मेडिकल स्टोरों और ड्रग इंस्पेक्टरों का चोली दामन का साथ होता है। जब कोई मेडिकल स्टोर का मालिक रोज रोज की वसूली से तंग आ जाता है, तभी एसीबी के पास पहुंचता है। अधिकांश मेडिकल स्टोर के मालिक चुपचाप भुगतान करते रहते हैं।

थाना जानी पुलिस द्वारा गैंगरेप के चार अभियुक्तगण गिरफ्तार

संवाददाता/अरमान उल हक

मेरठ। उत्तर प्रदेश के जनपद मेरठ थाना जानी पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हासिल हुई है दिनांक 3.3.22 को वादी के द्वारा अपनी नाबालिग पुत्री के साथ दिनांक 15.2.22 को अभियुक्तगण 1. तुषार र/0 अन्जू , 2.रवि र/0 गोली, 3.हिमान्शु २/0 दाने , 4.सौरव र/0 प्रेम , 5.आदेश र/0 सौराज निवासीगण कस्बा सिवालखास थाना जानी मेरठ व दो अज्ञात द्वारा बलात्कार किये जाने तथा विडियो बनाकर बलैकमैल करने तथा दिनांक 03.03.2022 को वादी की पुत्री को अभियुक्तगण द्वारा विडियो वायरल की धमकी देने पर पीडिता द्वारा दिनांक 3.3.22/4.3.22 की रात्रि मे आलआऊट पी लेने पर थाना जानी पर मु0अ0स0 80/22 धारा 376डी/383/506 भादवि 3/4पोस्को अधि0 पंजीकृत कराया गया था। थाना प्रभारी जानी जनपद मेरठ के नेतृत्व में थाना जानी पुलिस द्वारा चैकिगं व गस्त के दौरान मुखबिर खास की सूचना पर मुकदमा उपरोक्त मे विवेचनात्मक कार्यवाही व साक्ष्य संकलन से अभियुक्त 1. रवि पुत्र धर्मपाल उर्फ गोली नि0 कस्बा सिवाल खास थाना जानी जनपद मेरठ 2. सौरभ पुत्र राजपाल उर्फ दानिश नि0 वार्ड नं0 1 सिवाल खास थाना जानी मेरठ 3. तुषार पुत्र अन्जू नि0 वार्ड नं0 1 कस्बा सिवाल खास थाना जानी मेरठ 4. हिमांशू पुत्र राजपाल सिंह उर्फ दाने नि0 वार्ड नं0 1 सिवाल खास थाना जानी मेरठ को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है।

मानकों को ताक पर रखकर खुले में चल रहा है खनन का अवैध कारोबार

संवाददाता/अरमान उल हक

संभल। खेत की उर्वरक मिट्टी उठाकर उसको बंजर बनाया जा रहा है इन खनन माफियाओं के द्वारा, इस अवैध धंधे के चलते ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना उठाना पड़ता है सड़कों पर उड़ती धूल से आंखों की गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। कई बार शिकायतें होने के बावजूद भी नहीं होती कार्रवाई आखिर जिम्मेदार कौन एक बड़ा सवालिया निशान खनन अधिकारी की ओर लगता हुआ दिखाई दे रहा है खनन विभाग और पुलिस की सांठ गांठ से जनपद संभल में फलफूल रहा है खनन का अवैध कारोबार। उत्तर प्रदेश सरकार खनन माफियाओं के खिलाफ सख्त कदम उठा रही हैं लेकिन खनन माफिया अपनी दबंगई के दमपर अवैध खनन करने से नहीं आ रहे हैं बाज आपको बताते चलें जनपद संभल में खनन माफियाओं का यह गोरख धंधा चरम सीमा पर चल रहा है। ग्रामीण क्षेत्रो मे अबैध खनन का कारोबार चल रहा जोरो पर खनन माफिया निडर

होकर कर रहे खनन थाना हयातनगर के ग्राम सैंडा एबं खिरनी पुलिस चौकी से चंद कदमो की दूरी पर तीन टैकटरो से किया जा रहा है अबैध खनन जबकी सभी टैकटर पुलिस चौकी के सामने से गुजर रहे है थाना नखासा क्षेत्र के सलारपुर कला एक खनन माफिया निडर होकर अबैध खनन कर रहे है जो बीडीओ मे साफ दिख रहा है एक के बाद टैकटर मिट्टी लेकर चल रहे है। खनन अधिकारी द्वारा कुछ खनन माफियाओं पर कार्रवाई की गई है। लेकिन अबैध खनन पर पूर्ण रूप से लगाम लगाने मे नाकाम होते नजर आ रहे है सबाल यह उठता है की इन माफियाओं को किस का सपोट मिल रहा है यह सब किस के संरक्षण मे चल रहा है यह तो कहा नहीं जा सकता अगर किसी पर परमिशन है तो वह मानक को ताक पर रखकर रात दिन अपने ट्रैक्टरों से अवैध खनन कर रहा है सड़कों का रंग जिन खनन माफियाओं के चलते बदला हुआ नजर आता है वाहन चालको को उड़ती धूल से वाहन चलाने में काफी समस्याओं का सामना उठाना पड़ रहा है कई बार देखा गया है जिस कारण दुर्घटना भी होती रही लेकिन मजाल है कि इस अवैध धंधे पर लगाम कसी जाए इन माफियाओं से ग्रामीणों को इतना डर है कि वह आला अधिकारियों से शिकायत करने में भी डरते हैं कई बार इन खनन माफियाओं द्वारा देखा गया है वह शिकायतकर्ता ग्रामीणों को धमकाते हुए की नजर आते हैं जिस वजह से इन लोगों के खिलाफ कोई शिकायत नहीं होती और यह अपने काम को बखूबी अंजाम दे रहे हैं सवाल ये उठता है क्या इन खनन माफियाओं से बंजर होती जमीन को संभल के अधिकारीगण बचा पाएंगे।

प्रशासन पहले अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करेः एड़वोकेट सुरेश गोस्वामी

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। जिला प्रशासन अपनी नाकामी छुपाने के लिए - संभागीय आयुक्त के निर्देशन मे शहर के व्यस्ततम कोटगेट मे एक तरफा यातायात की व्यवस्था करने जा रहा है-एडवोकेट सुरेश गोस्वामी ने बताया कि थाना प्रभारी कोटगेट की शह व मिलीभगत से सड़को मे दुकानदार व अन्य व्यक्ति अवैध रूप से व्यापार कर यातायात को बाधित कर रहे है प्रशासन इसकी अनदेखी कर केवल मात्र वैकल्पिक व्यवस्था कर अपनी नाकामी छिपा रही है -एडवोकेट ने बताया कि इस सम्बन्ध मे पुलिस अधीक्षक बीकानेर को नवम्बर 21 को पत्र लिखकर अतिक्रमण हटाने की मांग की थी - इस मामले मे माननीय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) बीकानेर मे परिवाद प्रस्तुत किया हुआ है जो न्यायालय मे जैरकार है। एडवोकेट सुरेश गोस्वामी ने नीरज के पवन संभागीय आयुक्त से मांग की है कि अविलम्ब कोटगेट थाना क्षेत्र से अतिक्रमण हटा कर समस्या का स्थायी समाधान करे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

यह स्पैशल डाइट खाएं और 15 दिन में 3 किलो वजन घटाएं

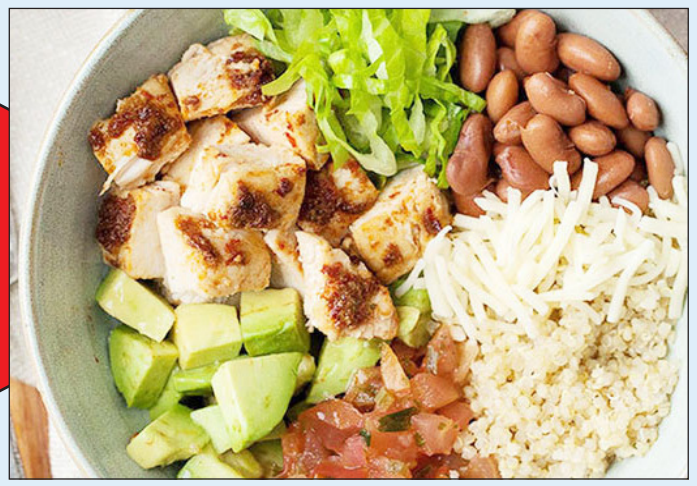

वजन घटाने के तरीके ग्लूटेन एक तरह का प्रोटीन होता है जो गेंहू और इससे बनने वाले खाद्य पदार्थों में पाया जाता है। ग्लूटेन जौं, राई और उन सभी चीजों में भी प्रचुर मात्रा में होता है जो इनसे बनती हैं। वजन बढ़ाने में ग्लूटेन का बहुत बड़ा रोल होता है। इसीलिए एक्सपर्ट ग्लूटेन फ्री डाइट की सलाह देते हैं। अगर आप भी अपना वजन 15 दिन के अन्दर 3 किलो घटाना चाहते हैं तो आईए जानते है कि ग्लूटेन फ्री डाइट क्या है और वजन कम करने में कैसे मदद करता है?

ग्लूटेन फ्री डाइट क्या होती है?

इस डाइट को लेने का मतलब यह है कि हमें गेंहू ,जौं, और राई से बनी खाने वाली सारी चीजें भोजन में बंद करनी होगी। ग्लूटेन फ्री डाइट वजन कम करने के लिए फायदेमंद होती है। ग्लूटेन का सेवन बंद करना आपकी हेल्थ के लिए हानिकारक नहीं होता है। ऐसी डाइट प्लान में आपको सब्जियां और फल ज्यादा खाने चाहिए क्योंकि इनसे आपको अधिक प्रोटीन मिलेगा।

यह प्लान कैसे करता है काम?

ग्लूटेन आपकी भूख को बढ़ाता है इसलिए भोजन में इसे अवॉइड करें। इसमें कुछऐसे तत्व पाए जाते है जो भूख-दबाने वाले मॉलिक्यूल को रोकते है। आप जरुरत से ज्यादा खाने लगते हैं और आपका वजन तेजी से बढने लगता है। यदि आप अपने भोजन से ग्लूटेन की मात्रा को बाहर कर दें और फाइबर से भरपूर चीजों का सेवन करें तो आपका वजन घटना शुरू हो जाता है।

ग्लूटेन फ्री डाइट के क्या है और लाभ?

ग्लूटेन से भरपूर चीजें खाने से कई बार छोटी आंत को नुकसान हो जाता है। यदि हम इसे अपने आहार से निकाल दें तो हमें इसके सेवन से होने वाली समस्या से छुटकारा सकता है। छोटी आंत के नुकसान से राहत के महीनें भी लग सकते है। यदि आप ग्लूटेन-फ्री डायट को अधिक गंभीरता से लेंगे तो चाहिए, रिकवरी भी जल्दी से होगी।

किसके लिए जरूरी है ग्लूटेन फ्री डाइट?

ग्लूटेन गेहूं, राई और जौ में मौजूद प्रोटीन है। सेलियक रोग वाले लोगों को ग्लूटेन फ्री डाइट खानी चाहिए क्योंकि ग्लूटेन ऐसे मरीजों में इम्यून प्रतिक्रिया कराते हैं और कुछ खास एंटीबॉडिज बनाते हैं जो भोजन के अवशोषण के दौरान आंत में ग्लूटेन से छुटकारा दिलाने में मदद करते है।

मलाशय की सूजन को कम करेंगी स्ट्रॉबेरी, यूं करें इस्तेमाल

हालिया अध्ययन में पाया गया है कि स्ट्रॉबेरी का नियमित सेवन मलाशय में सूजन कम करने तथा आंतों को सेहतमंद रखने में मददगार होता है।

इन्फ्लामेट्री बॉवेल डिजीज(आई.बी.डी) एक दर्दनाक समस्या है जो गंभीर दस्त और थकान का कारण बन सकती है। इसका उपचार दवाओं और सर्जरी से किया जाता है लेकिन चूहों पर किए गए अध्ययन के निष्कर्ष बताते हैं कि स्ट्रॉबेरी के सेवन से वजन घटने तथा खूनी दस्त जैसे इससे जुड़े लक्षणों में काफी कमी आ सकती हैं।

अध्ययन करने वाली अमेरिकी यूनिवर्सिटी मैसाचुसेट्स एमहर्स्ट के हांग जिअ-ाओ कहते हैं, 'कई लोगों की आलसी जीवनशैली और आहार संबंधी आदतों जिनमें अधिक चीनी, अधिक फैट, और कम फाइबर शामिल हैं, आंतों तथा मलाशय की सूजन को बढ़ावा और आई.बी.डी के जोखिम को बढ़ाती है।'

अध्ययन में यह भी पाया गया है कि स्ट्रॉबेरी से उपचार से चूहों में मलाशय में होने वाली सूजन के विभिन्न लक्षणों में भी कमी होती है। आई.बी.डी रोगियों तथा सामान्य लोगों में ही मलाशय की सूजन को कम करने हेतु अध्ययन करने के लिए स्ट्रॉबेरी को इसलिए चुना गया क्योंकि यह एक व्यावाहरिक उपाय है क्योंकि काफी लोग इन्हें पसंद करते हैं और आमतौर पर आसानी से उपलब्ध होती है।

स्ट्रॉबेरी के फायदे

- एंटी-ऑक्सीडैंट्स की प्रचुर मात्रा होने से यह रोगों से लड़ने की शक्ति बढ़ाती है।
- विटामिन सी की मदद से आंखें स्वस्थ रहती है जबकि स्ट्रॉबेरी इसकी मात्रा भरपूर है।
- इसमें फ्लेवोनॉइड, फोलेट, केम्फेरॉल जैसे तत्व हैं जो कैंसर पैदा करने वाली कोशिकाओं का नाश करते हैं।
- इसमें पोटेशियम होता है जो हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा कम करता है।

फ्लावर फेशियल, बिना साइड इफेक्ट देता है निखार

हर किसी को कोई न कोई फूल बहुत पसंद होता है। इन फूलों का इस्तेमाल आमतौर पर पूजा, डैकोरेशन और गिफ्ट आदि के लिए किया जाता है। यह देखने में आंखों को जितना ज्यादा सुकून देते हैं, ब्यूटी के लिए उससे भी ज्यादा फायदेमंद है। आजकल फ्लावर फेशल की डिमांड बहुत बढ़ गई है। फेशियल का यह ट्रीटमेंट हर्बल होता है। इसमें किसी भी तरह का साइड इफैक्ट होने का खतरा भी नहीं रहता।

अपनी स्किन टाइप के हिसाब से ट्राई करें फेशियल

इस तरह का फेशियल करवाते समय पहले अपनी स्किन टाइप के बारे में जानना बहुत जरूरी है। हर तरह की स्किन प्रॉब्लम के हिसाब से ही फ्लावर फेशियल करवाने से ही फायदा मिलता है। इसमें आपको गुलाब, गेंदा, लिलियम, सनफ्लावर, चाइनीज हिबिस्कस, मैरीगोल्ड,रजनीगंधा, कारनेशन, गुलदावरी आदि कई तरह के फ्लावर फेशियल करवा सकते हैं। इसका फायदा यह है कि इसकी 4 से 6 सिटिंग्स ही चेहरे पर निखार ला देती हैं और महीने भर दोबारा इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं पड़ती।

1. रोज फेशियल

कुछ लोगों को ओपन पोर्स की बहुत परेशानी रहती है। इससे छुटकारा पाने के लिए रोज फेशियल ट्राई किया जा सकता है। इससे स्किन पर गुलाबी निखार आना शुरू हो जाता है।

2. सनफ्लॉवर फेशियल

स्किन को नेरिशमेंट देने के लिए सनफ्लावर फेशियल बैस्ट है। इससे डलनेस भी पूरी तरह से खत्म हो जाती है।

3. मैरीगोल्ड फेशियल

ड्राईनेस की परेशानी से छुटकारा पाने के लिए मैरीगोल्ड फ्लावर फेशियल करवा सकते हैं। इससे रूखापन खत्म होने के साथ-साथ नेचुरल निखार आना शुरू हो जाता है।

4. लैंवेडर फेशियल

एक्ने और झुर्रियों ने परेशान कर रखा है तो इसके लिए लैंवेडर फ्लावर का इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे सनबर्न से भी राहत मिलती है।

5. जैसमिन फेशियल

मुहांसों के दाग-धब्बे या चेहरे पर पड़े निशानों को कम करना है तो जैसमिन फेशियल का सहारा लिया जा सकता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सलमान संग गुपचुप शादी की अफवाहों पर सोनाक्षी सिन्हा ने तोड़ी चुप्पी

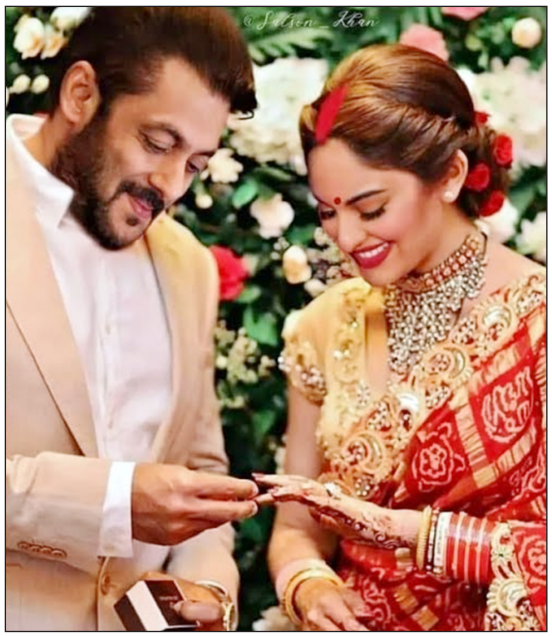

सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक ऐसी जगह है जहां झूठी खबरें फैलने में बहुत ज्यादा समय नहीं लगता है। अक्सर सेलेब्स को लेकर तरह-तरह की अफवाहें उड़ती रहती हैं। ऐसा ही कुछ हाल ही में सलमान खान और सोनाक्षी सिन्हा के साथ हुआ है। जी हां, सलमान खान और सोनाक्षी सिन्हा की हाल ही में एक तस्वीर वायरल हुई थी जिसमें एक्टर सोनाक्षी को अंगूठी पहनाते हुए नजर आ रहे थे। यही नहीं इस फोटो को लेकर ऐसा दावा किया जा रहा था कि दोनों गुपचुप तरीके से शादी कर ली है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही इस तस्वीर में सोनाक्षी मांग में सिंदूर लगाए और बिल्कुल तैयार दिखीं। हालांकि जल्दी ही यह भी साफ हो गया कि यह एक फोटोशॉप्ड तस्वीर है। अब इस तस्वीर पर सोनाक्षी ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने इसे बेवकूफी भरा बताया। सोनाक्षी सिन्हा ने तस्वीर पर कमेंट करके लिखा, क्या आप इतने पागल हैं कि आप असली और मॉर्फ्ड (बदली गई) तस्वीर में फर्क नहीं बता सकते। इसके साथ उन्होंने हंसी वाला इमोजी शेयर किया। वहीं एक्ट्रेस के कमेंट पर एक यूजर ने लिखा, आप रिप्लाई क्यों कर रही हैं? दूसरे ने लिखा, वे अटेंशन चाहते हैं और आप उन्हें दे रही हैं।

आमिर खान संग फिल्म बनाएंगे नागराज मंजुले?

मराठी फिल्मों के मशहूर डायरेक्टर नागराज मंजुले की हालिया रिलीज फिल्म 'झुंड' को काफी तारीफ मिल रही है। अमिताभ बच्चन के लीड रोल वाली इस फिल्म को दर्शकों के साथ ही क्रिटिक्स ने भी बेहतरीन रिव्यू दिए हैं। 'सैराट' जैसी फिल्म से मशहूर हुए नागराज मंजुले अब बड़े स्टार्स के साथ काम करना चाहते हैं। उन्होंने कहा है कि अमिताभ बच्चन के बाद अब वह बॉलिवुड सुपरस्टार आमिर खान के साथ काम करना चाहते हैं। नागराज मंजुले ने कहा है कि आमिर खान को उनकी फिल्म 'झुंड' काफी पसंद आई है। उन्होंने बताया कि फिल्म देखने के बाद आमिर ने इसमें काम करने वाले बच्चों से भी मुलाकात की। नागराज ने कहा कि वह काफी समय से आमिर खान के साथ काम करना चाहते हैं और वह एक प्रोजेक्ट के बारे में सोच रहे हैं। नागराज ने बताया कि वह अपनी पहली फिल्म 'फंड्री' बनाते समय से ही इस मुद्दे पर सीरियसली सोच रहे हैं।